दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, सोमवार 14 अगस्त 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 317

भारतीय वायुसेना में शामिल हुआ 'इजरायली ब्रह्मास्त्र' हेरॉन मार्क 2, पलक झपकते कर देगा दुश्मन को तबाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय वायुसेना में रविवार को हेरॉन मार्क 2 ड्रोन शामिल किया गया, जिसे इजरायली ब्रह्मास्त्र भी कहा जाता है। यह एक ही बार में चीन और पाकिस्तान की सीमा का चक्कर लगा सकता है साथ ही जरूरत पड़ने पर मिसाइलें भी दाग सकता है। मिली जानकारी के अनुसार इंडियन एयरफोर्स अपने चीता प्रोजेक्ट को लगातार आगे बढ़ाने में जुटी है। इसके तहत इजरायली हेरॉन ड्रोन को अपग्रेड किया जा रहा है। उसे स्ट्राइक करने की क्षमताओं से लैस किया जा रहा है। हेरॉन सीरीज के ड्रोन पहले से ही भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल है, लेकिन अब हेरॉन मार्क 2 के आ जाने से इसके हमले की क्षमता बढ़ गई है।

हेरॉन मार्क 2 ड्रोन जासूसी करने के उपकरणों के साथ-साथ हमले के लिए भी तैयार किया गया है। यह लंबी दूरी की मिसाइलों सहित अन्य हथियारों से लैस है। यह एक ही उड़ान में भारत के दोनों दुश्मनों की सीमा की निगरानी कर सकता है। इसे भारतीय वायुसेना के उत्तरी क्षेत्र के एक फॉरवर्ड बेस पर तैनात किया गया है।

यह ड्रोन एक बार में 36 घंटों तक उड़ान भर सकता है। साथ ही जंग के दौरान यह लड़ाकू विमानों की मदद के लिए लक्ष्यों को लेजर से चिह्नित कर सकता है। किसी भी मौसम और दुर्गम इलाकों में काम कर सकता है। इस पर एयर मिसाइल और एंटी टैंक हथियार लगाए जा सकते हैं। इस ड्रोन को लेकर स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर ने कहा- हेरॉन मार्क 2 एक बहुत ही सक्षम ड्रोन है। यह लंबे समय तक चलने में सक्षम है और इसमें 'दृष्टि की रेखा से परे' क्षमता है। इससे पूरे देश की एक ही जगह से निगरानी की जा सकती है।

नौसेना के स्टील्थ फ्रिगेट को लॉन्च करेंगी राष्ट्रपति

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 17 अगस्त को कोलकाता में भारतीय नौसेना के लिए एक गुप्त युद्धपोत का शुभारंभ करेंगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित यह तीसरा और आखिरी स्टील्थ फ्रिगेट होगा। इसे प्रोजेक्ट 17ए के तहत नौसेना के लिए बनाने हेतु युद्धपोत निर्माता को अनुबंधित किया गया था। विंध्यगिरि, जिसका नाम कर्नाटक की पर्वत श्रृंखला के नाम पर रखा गया है, प्रोजेक्ट 17ए फ्रिगेट्स का छठा जहाज है। ये युद्धपोत प्रोजेक्ट 17 क्लास फ्रिगेट्स (शिवालिक क्लास) के फॉलो-ऑन हैं, जिनमें बेहतर स्टील्थ फीचर्स, उन्नत हथियार और सेंसर और प्लेटफ़ॉर्म प्रबंधन सिस्टम हैं। विंध्यगिरि, एक तकनीकी रूप से उन्नत फ्रिगेट, अपने पूर्ववर्ती, पूर्ववर्ती आईएनएस विंध्यगिरि, लिएंडर क्लास एएसडब्ल्यू फ्रिगेट की विशिष्ट सेवा के लिए एक उचित श्रद्धांजलि देता है। 08 जुलाई 81 से 11 जून 12 तक अपनी लगभग 31 वर्षों की सेवा में पुराने विंध्यगिरि ने विभिन्न चुनौतीपूर्ण अभियानों और बहुराष्ट्रीय अभ्यासों को देखा था। नव नामित विंध्यगिरि स्वदेशी रक्षा क्षमताओं के भविष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपनी समृद्ध नौसैनिक विरासत को अपनाने के भारत के दृढ़ संकल्प के प्रतीक के रूप में खड़ा है।प्रोजेक्ट 17ए कार्यक्रम के तहत, मेसर्स एमडीएल द्वारा कुल चार जहाज और मेसर्स जीआरएसई द्वारा तीन जहाज निर्माणाधीन हैं। परियोजना के पहले पांच जहाज 2019-2022 के बीच एमडीएल और जीआरएसई द्वारा लॉन्च किए गए हैं। प्रोजेक्ट 17ए जहाजों को भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा इन-हाउस डिजाइन किया गया है, जो सभी युद्धपोत डिजाइन गतिविधियों के लिए अग्रणी संगठन है। आत्मनिर्भरता के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रोजेक्ट 17ए जहाजों के उपकरणों और प्रणालियों के लिए 75त्न ऑर्डर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) सहित स्वदेशी फर्मों से हैं। विंध्यगिरि का प्रक्षेपण हमारे राष्ट्र द्वारा आत्मनिर्भर नौसैनिक बल के निर्माण में की गई अविश्वसनीय प्रगति का एक उपयुक्त प्रमाण है।

महत्वपूर्ण एवं खास

एनआईए ने केरल के मलप्पुरम में पीएफआई के पूर्व कार्यकर्ताओं के आवास पर की छापेमारी

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रविवार को प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के पूर्व कार्यकर्ताओं के चार ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। मलप्पुरम जिले के तिरूर और तनूर इलाकों में पूर्व पीएफआई कार्यकर्ताओं के चार आवासों पर छापेमारी की जा रही है। मलप्पुरम जिला पुलिस के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि उन्हें छापेमारी शुरू होने से ठीक पहले सूचित किया गया था। सुबह शुरू हुई छापेमारी एक साथ की जा रही है। इससे पहले, एनआईए ने मलप्पुरम जिले के मंजेरी में पीएफआई मुख्यालय, ग्रीन वैली पर छापेमारी की थी और उसे सील कर दिया था। सितंबर 2022 में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया गया था और इस्लामी संगठन के अधिकांश अग्रणी नेताओं को जेल में डाल दिया गया था। पीएफआई देशभर में कई हत्या के मामलों में आरोपी है और भारत को इस्लामिक राष्ट्र में बदलने की दिशा में काम कर रहा था।

ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से 16 विद्यार्थी घायल

केंद्रपाड़ा (आरएनएस)। ओडिशा के केंद्रपाड़ा जिले में आकाशीय बिजली गिरने से सरकारी स्कूल के 16 विद्यार्थी घायल हो गये. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि गारदपुर प्रखंड में कुदानगरी आदर्श विद्यालय के पास 11 केवी विद्युत लाइन पर बिजली गिरी. इस आकाशीय बिजली का प्रभाव इतना जोरदार था कि स्कूल के हॉस्टल के एक कमरे में मौजूद छात्रों को भी झटके लगे. पुलिस ने बताया कि बिजली गिरने से जो विद्यार्थी घायल हुए हैं उनमें दो छात्र और 14 छात्राएं शामिल हैं. सभी घायल कक्षा छह और सात के विद्यार्थी हैं. जानकारी के मुताबिक, सभी घायल विद्यार्थियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया. डॉक्टर प्रशांत कुमार जेना ने कहा कि सभी विद्यार्थियों की हालत खतरे से बाहर है.

नर्स की लापरवाही : बुखार से पीड़ित बच्चे को लगाया रेबीज का टीका, अस्पताल ने लिया एक्शन

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। अंगामलाई सरकारी अस्पताल में एक अस्थायी नर्स को निलंबित कर दिया गया, क्योंकि उसने बुखार से पीड़ित एक लड़की को रेबीज का टीका लगा दिया था। सात साल की बच्ची के माता-पिता ने कहा कि नर्स ने उसके नुस्खे की जांच किए बिना इंजेक्शन लगा दिया। यह घटना 11 अगस्त को हुई थी। राज्य की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने जांच के आदेश दिए थे और जांच के बाद नर्स को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। बच्चे की मां अंजलि ने मीडिया को बताया कि वह पुलिस जांच के लिए दबाव नहीं डालेंगी, क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें सूचित किया है कि बच्चे को कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा कि नर्स के परिवार से माफी मांगी है और परिवार के मामले को आगे बढ़ाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

ट्रेन की चपेट में आए तीन छात्र, दो की मौत

जौनपुर (आरएनएस)। ईयरफोन लगाकर रेल पटरी पर बैठे टीडी कालेज से ग्रेजुएशन कर रहे तीन छात्र ट्रेन की चपेट में आ गए। दो की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा जफराबाद-लखनऊ वाया सुल्तानपुर रेलखंड पर सिटी स्टेशन के पास लाइन बाजार क्षेत्र के भूपतपट्टी (कन्हईपुर) के पास हुआ। सिकरारा क्षेत्र के बेलगहन अजोसी गांव के निर्मल यादव के साथ हसनपुर के कीर्तिमान मिश्र और प्रतीक मिश्रा भूपतपट्टी मोहल्ले में नेहरू बालोद्यान इंटर कालेज के सामने रेल पटरी पर बैठकर मोबाइल फोन पर गाना सुन रहे थे। रात में महामना एक्सप्रेस ट्रेन आ गई और तीनों उसकी चपेट में आ गए। हादसे में निर्मल, कीर्तिमान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि प्रतीक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा जफराबाद-लखनऊ वाया सुलतानपुर रेलखंड पर लाइन बाजार क्षेत्र के भूपतपट्टी (कन्हईपुर) के पास हुआ। पुलिस के अनुसार 19 वर्षीय सिकरारा क्षेत्र के बेलगहन अजोसी गांव निवासी निर्मल यादव, 20 साल के सिकरारा के ही हसनपुर निवासी कीर्तिमान मिश्र और 20 वर्ष के प्रतीक मिश्रा पढ़ाई के सिलसिले में निर्मल, कीर्तिमान और प्रतीक जौनपुर में किराये की मकान लेकर रहते थे।

वीआईपी गाड़ियों से हटेगा सायरन, अब सुनाई देगी बांसुरी, तबले और शंख की आवाज : नितिन गडकरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राज्य मार्ग मंत्रालय ने अब गाड़ियों में हॉर्न और सायरन की तेज ध्वनि में बदलाव करने वाले नियम तैयार कर लिए हैं। अब लोगों को इन सायरनों की कर्कश आवाज की जगह भारतीय वाद्य यंत्रों जैसे बांसुरी, तबले और शंख की आवाज सुनाई देगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने खुद इस बात की घोषणा की है।

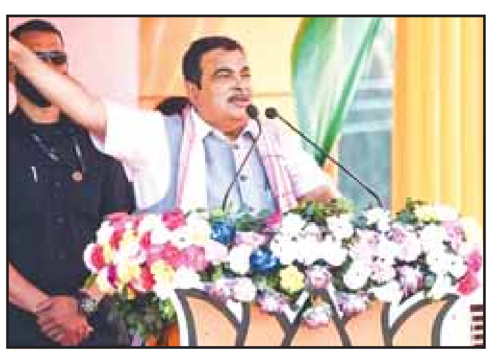

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि सायरन को हटाने के काफी फायदे होंगे। इससे ध्वनि प्रदूषण भी कम होगा। उन्होंने बताया कि मंत्रालय ऐसे प्रावधान तैयार कर रहा है जिससे लोगों को सायरन की कर्कश आवाज से राहत मिलेगी।

नितिन गडकरी ने बताया कि अब केंद्रीय सड़क परिवहन और राज्य मार्ग मंत्रालय ने तेज सायरन को खत्म करने की योजना बनाई है। हमारी योजना है कि गाड़ियों में इंडियन म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट की आवाज लगाई जाए, जो लोगों को सुनने में बेहतर लगे। गडकरी ने कहा कि वो भाग्यशाली हैं कि उन्हें इसे गाड़ियों से लाल बत्ती हटाने का मौका मिला था। अब वो डुकडुकक गाड़ियों से सायरन हटाने की योजना बना रहे हैं।

महाराष्ट्र के अस्पताल में एक ही रात में 17 मरीजों की मौत

❑ परिजनों ने की जांच की मांग

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक ही रात में 17 मरीजों की मौत हो गई है। मुंबई से सटे ठाणे जिले के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक रात में 17 मरीजों की मौत से हड़कंप मच गया है। जिन 17 मरीजों की मौत है उनमें 12 मरीज़ आईसीयू में और दो मरीज जनरल वॉर्ड भर्ती थे जबकि कैजुअल्टी में दो मरीज भर्ती थे। इसके अलावा एक मरीज पीडिट्रिक डिपार्टमेंट में भर्ती था जिनकी मौत हुई है। हालांकि, अस्पताल प्रशासन ने अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

शनिवार रात 10.30 बजे से रविवार सुबह 8.30 बजे के बीच अस्पताल में 17 मरीजों की मौत हो गई। वहीं प्रशासन ने दावा किया है कि कुछ मरीजों की मौत 80 से ज्यादा उम्र होने के कारण हुई है। इससे तीन दिन पहले इसी अस्पताल में एक ही दिन में पांच मरीजों की मौत हो गई थी। परिजन आरोप लगा रहे थे कि समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण ये मौत हुई। एक मरीज को कार्डियक अरेस्ट, एक मरीज को उल्टी, एक को अज्ञात और एक मरीज को पैर में फोड़ा था। इसमें एक गर्भवती महिला की भी मौत हो गई। मृतकों के परिजनों ने अस्पताल के खिलाफ जांच की मांग की है।

बता दें कि छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल ठाणे महानगरपालिका के अंदर में आता है। आरोप है कि यहां पर डॉक्टर्स इलाज के दौरान लापरवाही बरत रहे हैं इसलिए, मरीजों की जान जा रही है। हालांकि अस्पताल प्रशासन मरीजों के परिजनों के आरोपों से इनकार करता रहा है।

पिछले महीने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने ठाणे में सुपर स्पेशलिटी कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखी थी। साथ ही जिला सामान्य अस्पताल की बिल्डिंग को तोड़कर उस जगह पर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल का भी निर्माण किया जा रहा है।

सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की चुनौती पर हो रही सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की एक संविधान पीठ सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर, 2 अगस्त से संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर लगातार सुनवाई कर रही है।

संविधान पीठ में शीर्ष अदालत के पांच वरिष्ठतम न्यायाधीश सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, और न्यायमूर्ति सूर्यकांत शामिल हैं।

राजनीतिक दलों, निजी व्यक्तियों, वकीलों, कार्यकर्ताओं द्वारा बड़ी संख्या में याचिकाएं दायर की गई हैं, इसमें पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीनने वाले राष्ट्रपति के आदेश और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की संसद की कार्रवाई को चुनौती दी गई है।

अब तक, उनके तर्क का मुख्य जोर यह रहा है कि जम्मू-कश्मीर की संविधान सभा के विघटन के बाद संविधान के अनुच्छेद 370 ने स्थायी स्वरूप ग्रहण कर लिया है।

सुनवाई के दौरान संविधान पीठ ने बार-बार इस स्थायित्व पर संदेह जताया और एक मौके पर टिप्पणी की कि यह कहना मुश्किल है कि अनुच्छेद 370 स्थायी है और इसे कभी भी निरस्त नहीं किया जा सकता है। इसने याचिकाकर्ता पक्ष से ऐसे परिदृश्य पर विचार करने को कहा, जहां पूर्ववर्ती राज्य स्वयं भारतीय संविधान के सभी प्रावधानों को अपने क्षेत्र में लागू करना चाहता था।

दूसरे, यह तर्क दिया गया है कि अनुच्छेद 370 में अंतर्निहित संघवाद की अवधारणा को राष्ट्रपति या संसद की किसी भी कार्रवाई द्वारा निरस्त नहीं किया जा सकता है।

संविधान पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि जम्मू-कश्मीर की संप्रभुता का भारत को समर्पण सशर्त नहीं था, बल्कि भारत के साथ विशेष संप्रभुता निहित करने वाला एक पूर्ण आत्मसमर्पण था।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा है कि राज्यों के साथ सहमति की आवश्यकता वाले संविधान के प्रावधान जरूरी नहीं कि भारत संघ की संप्रभुता को कमजोर करते हों।

वस्तुत:, जम्मू-कश्मीर के संविधान में ही प्रावधान है कि जम्मू-कश्मीर राज्य भारत संघ का अभिन्न अंग है और रहेगा।

इसी प्रकार, संविधान का अनुच्छेद 1 कहता है कि भारत 'राज्यों का संघ' होगा और इसमें संविधान की अनुसूची एक में जम्मू और कश्मीर राज्य शामिल है।

जम्मू-कश्मीर के राजनीतिक नेता अकबर लोन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने सुनवाई की शुरुआत में कहा था कि भारत के साथ जम्मू-कश्मीर का एकीकरण निर्विवाद है, निर्विवाद था और हमेशा निर्विवाद रहेगा।

ब्रेक्जिट जैसे जनमत संग्रह का जिक्र करने वाले सिब्बल के सुझाव को पसंद नहीं किया गया और अदालत कक्ष के बाहर संविधान पीठ और बड़े पैमाने पर जनता ने इस पर नाराजगी व्यक्त की। शीर्ष अदालत के समक्ष उठाए गए तर्क की एक और पंक्ति यह है कि 1957 के जम्मू और कश्मीर संविधान में जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति में बदलाव का कोई प्रावधान नहीं था।

राजस्थान में वैन और ट्रक के बीच भीषण टक्कर, सात लोगों की मौत

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के बांठड़ी गांव में शनिवार देर रात बस और कार की भीषण टक्कर में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में एक बच्चे समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल भी हो गए हैं। जानकारी के अनुसार एक परिवार वैन में सवार होकर सीकर की ओर से आ रहा था। इस दौरान गांव बांठड़ी के तिराहे चौराहे पर मोड़ पर कार की बस से टक्कर हो गई।

इस टक्कर से सात लोगों को मौके पर ही मौके हो गई, जबकि एक नाबालिग बच्चे सहित दो अन्य को डीडवाना के सरकारी बांगड़ अस्पताल में इलाज के बाद जयपुर रेफर किया गया है। इस संबंध में थाना प्रभारी (एसओ) धर्मचंद पुनिया ने बताया कि एक वैन सीकर से आ रही थी, जिसमें नौ लोग सवार थे। सड़क पर तीखा मोड़ था, जिस कारण ड्राइवरों को दूसरी गाड़ी दिखाई नहीं दी और वे आपस में टकरा गई।

मृतक सीकर जिले के रहने वाले थे और एक ही परिवार के थे। सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए सीकर से नागौर जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलने पर डीडवाना विधायक चेतन डूडी, डीडवाना जिला कलेक्टर सीताराम जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर श्योराम वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक धर्मचंद पूनिया, भाजपा नेता जितेंद्र सिंह जोधा भी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों को इलाज के निर्देश दिए।

स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में कड़ी हुई सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस ने पेट्रोलिंग-वाहनों की चेकिंग बढ़ाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। दिल्ली पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम के साथ ही पेट्रोलिंग और वाहनों की चेकिंग तेज कर दी है। इससे पहले, लाल किला पर विभिन्न सशस्त्र बलों की फुल ड्रेस रिहर्सल हो रही थी।

पीएम का देशवासियों से हर घर तिरंगा आंदोलन में भाग लेने का आग्रह

भारत की आजादी के 76 साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देशवासियों से 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा आंदोलन में भाग लेने का आग्रह किया। भारतीय ध्वज स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक है। पीएम मोदी ने सभी से हर घर तिरंगा वेबसाइट पर तिरंगे के साथ अपनी सेल्फी अपलोड करने का आग्रह किया।

लाल किले पर ध्वजारोहण में लगभग 1,800 विशेष अतिथि होंगे शामिल- पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा, तिरंगा स्वतंत्रता और राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतीक है. हर भारतीय का तिरंगे से भावनात्मक जुड़ाव है और यह हमें राष्ट्रीय प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है. इस बीच, लाल किले पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ध्वजारोहण में पूरे भारत से लगभग 1,800 विशेष अतिथि शामिल होंगे.

आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर इन लोगों को मिल आमंत्रण- इस वर्ष भारत की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर, गांवों के सरपंच, शिक्षक, नर्स, किसान, मछुआरे, नई दिल्ली में सेंट्रल विस्टा परियोजना के निर्माण में मदद करने वाले श्रम योगी, खादी क्षेत्र के कार्यकर्ता, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता स्कूल शिक्षक, सीमा सड़क संगठन, देश के विभिन्न हिस्सों में लागू अमृत सरोवर परियोजनाओं और हर घर जल योजना परियोजनाओं में मदद करने वाले और काम करने वालों को नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल होने के लिए अपने जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया गया है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय और किसान कल्याण ने शुक्रवार को एक प्रेस रिलीज में इस बात की जानकारी दी है।

पीएम किसान के दो लाभार्थी लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का बनेंगे हिस्सा- इसके अलावा महाराष्ट्र राज्य से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के दो लाभार्थी लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा बनेंगे। पीएम मोदी के संबोधन में आमंत्रित लगभग 1,800 अतिथियों में इस योजना के पचास लाभार्थी अपने परिवार के साथ शामिल हैं।

77वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए मंच तैयार- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के प्रतिष्ठित लाल किले से 77वें स्वतंत्रता दिवस के जश्न मनाने में देश का नेतृत्व करेंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे और ऐतिहासिक स्मारक की प्राचीर से राष्ट्र को पारंपरिक संबोधन देंगे। इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस पर आजादी का अमृत महोत्सव समारोह का समापन होगा, जिसे प्रधानमंत्री ने 12 मार्च, 2021 को अहमदाबाद, गुजरात के साबरमती आश्रम से शुरू किया था और एक बार फिर, देश को नए सिरे से अमृत काल में प्रवेश कराया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य रखा है। 77वें स्वतंत्रता दिवस को मनाने के लिए कई नई पहल की गई हैं। पिछले साल की तुलना में इस साल बड़ी संख्या में मेहमानों को आमंत्रित किया गया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में लाल किले पर समारोह का हिस्सा बनने के लिए देश भर से विभिन्न व्यवसायों से लगभग 1,800 लोगों को उनके जीवनसाथी के साथ आमंत्रित किया गया है।